भजन

तर्ज–ओ बसंती पवन पागल

रूह के नैना जो भी खोले, सुख अर्श के देखे वो ही

1–हम है आशिक पिया चरन के, रूह हमारी है चरन
ए जुदाई ना सह, रूह बिना अपने तन
है रुहें सब तन पिया के

2–मेरी रूह है नैन पुतली, पुतलियों के जो नैन है
राखूं उनमे पिया को अपने, जो मेरी रूह का चौन है
पिया से निसबत है रूहों को

3–अर्श तुम्हारा दिल है मेरा, दिल मे सब न्यामत तेरी
याद आई है सभी अब, अर्श खिलवत जो मेरी
जिसने पाई है हकीकत